उत्तरांचल दीप
31 अगस्त, 2018

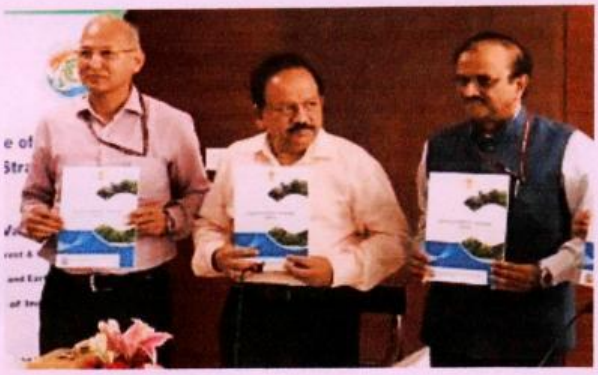

भारत की राष्ट्रीय रेड्डप्लस रणनीति का विमोचन

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि के तहत बनी रणनीति
वनों के सतत प्रबंधन व पर्यावरण संरक्षण के लिए होगा काम

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरदून की ओर से बनाई गई राष्ट्रीय रेड्डप्लस ;आरईडीडी़द्ध भारतीय रणनीति का विमोचन केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. हर्ष वर्धन ने किया। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि के अनुपालन मंे भारत ने अपनी रेड्डप्लस ;आरईडीडी़द्ध रणनीति बनायी है। यह रणनीति वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य में भारत की जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यनीति, हरित भारत मिशन तथा संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारत के राष्ट्रीय निर्धारित योगदान के दृष्टिगत बनायी गयी है। रणनीति के सुचारू रूप से क्रियान्वयन से भारत में निर्वनीकरण व वनों के क्षरण को कम करना, वन संरक्षण तथा वनों के सतत् प्रबंधन से वनों में कार्बन की मात्रा में वृद्धि करने हेतु रोडमैप सुझाया गया है। रेड्ड प्लस पर राष्ट्रीय रणनीति शीघ्र ही संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि मुख्यालय को प्रेषित की जायेगी।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुये डा0 हर्षवर्धन ने कहा कि भारत पेरिस जलवायु संधि के अनुपालन के लिए वचनबद्ध है। वानिकी के जरिये भारत ने अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान को वनों के द्वारा 250 से 300 करोड़ टन अतिरिक्त कार्बनडाईआॅक्साइड संचय का लक्ष्य रखा है। भारत के वन जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। रेड्ड प्लस रणनीति इसे और अधिक बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होनें कहा कि स्वस्थ पर्यावरण, स्थानीय समुदायों की जीविका तथा जैवविविधता संरक्षण के लिए वनों का रख रखाव आवश्यक है, भारत जैसे विकासशील देश में जहां वनों में रहने वाले जनजातिय समुदायों की जीविकोपार्जन हेतु वनों पर अत्याधिक निर्भरता है, रेड्डप्लस आरईडीडी़द्ध का महत्व और बढ़ जाता है। प्रस्तावित रेड्डप्लस रणनीति वनाधारित हरित कौशल विकास के कार्यक्रमों के बढ़ावा देकर रोजगार सृजन का कार्य भी करेगी। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय रेड्डप्लस रणनीति बनाने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति तथा आमंत्रित विशेषज्ञों के कार्य की सराहना की, तथा महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् को समय पर यह कार्यपूर्ण करने पर बधाई भी दी। इस अवसर पर सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन सीके मिश्रा, महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन सिद्धान्तदास, महानिदेशक भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद् डाॅ. सुरेश गैरोला व मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गढ संवेदना
31 अगस्त, 2018

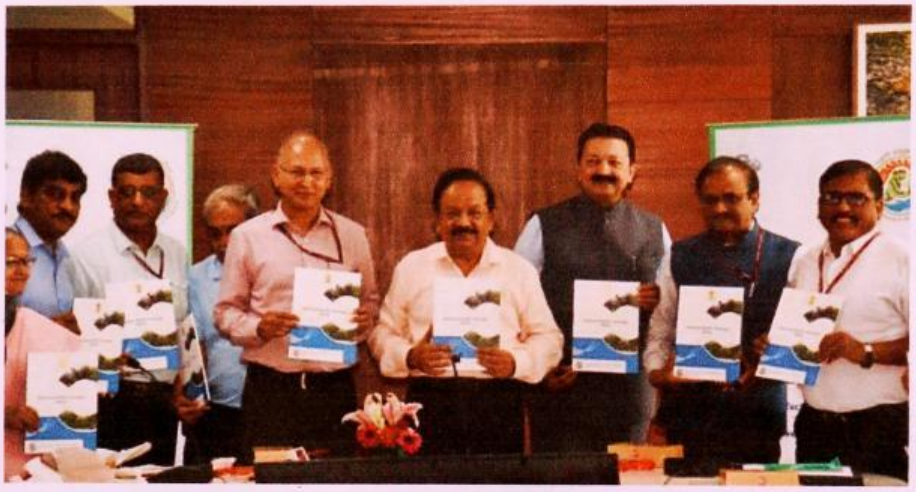

भारत की 'राष्ट्रीय रेड्डप्लस रणनीति' का विमोचन

देहरादून। राष्ट्रीय रेड्डप्लस भारतीय रणनीति जो भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा भारत सरकार हेतु बनाई गई उसका विमोचन डा. हर्षवर्धन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा नयी दिल्ली में किया गया। निर्वनीकरण तथा वन क्षरण को रोकने से उत्सर्जन कम करना व वनों में कार्बन का संचय, वनो का सतत् प्रबधन तथा कार्बन मात्रा में वृद्धि के प्रयासों से जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से रेड्ड प्लस ;त्म्क्क्द्ध नाम से जाना जाता है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि के अनुपालन मंे भारत ने अपनी रेड्डप्लस रणनीति बनायी है। यह रणनीति वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य में भारत की जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यनीति, हरित भारत मिशन तथा संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारत के राष्ट्रीय निर्धारित योगदान के दृष्टिगत बनायी गयी है। रणनीति के सुचारू रूप से क्रियान्वयन से भारत में निर्वनीकरण व वनों के क्षरण को कम करना, वन संरक्षण तथा वनों के सतत् प्रबंधन से वनों में कार्बन की मात्रा में वृद्धि करने हेतु रोडमैप सुझाया गया है। रेड्ड प्लस पर राष्ट्रीय रणनीति शीघ्र ही संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि मुख्यालय को प्रेषित की जायेगी।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुये डाॅ. हर्षवर्धन ने कहा कि भारत पेरिस जलवायु संधि के अनुपालन हेतु वचनबद्ध है। वानिकी के द्वारा भारत ने अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान हेतु वनों के द्वारा 250 से 300 करोड़ टन अतिरिक्त कार्बनडाईआॅक्साइड संचय का लक्ष्य रखा है। भारत के वन कुल राष्ट्रीय उत्सर्जन का लगभग 12ः कार्बनडाईआॅक्साइड अवशेषित करते हैं। भारत के वन जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। रेड्ड प्लस रणनीति इसे और अधिक बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होनें कहा कि स्वस्थ पर्यावरण, स्थानीय समुदायों की जीविका तथा जैवविविधता संरक्षण हेतु वनों का रख रखाव आवश्यक है, भारत जैसे विकासशील देश में जहां वनों में रहने वाले जनजातिय समुदायों की जीविकोपार्जन हेतु वनों पर अत्याधिक निर्भरता है, रेड्डप्लस का महत्व और बढ़ जाता है। प्रस्तावित रेड्डप्लस रणनीति वनाधारित हरित कौशल विकास के कार्यक्रमों के बढ़ावा देकर रोजगार सृजन का कार्य भी करेगी।

माननीय मंत्री जी ने राष्ट्रीय रेड्डप्लस रणनीति बनाने हेतु गठित विशेषज्ञ समिति तथा आमंत्रित विशेषज्ञों के कार्य की सराहना की, तथा महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् को समय पर यह कार्यपूर्ण करने हेतु बधाई दी। इस अवसर पर सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन सी. के. मिश्रा, महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन श्री सिद्धान्तदास, महानिदेशक भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद् डाॅ. सुरेश गैरोला व मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जन भारत मेल, 31 अगस्त 2018

राष्ट्रीय रेडुप्लस रणनीति का विमोचन

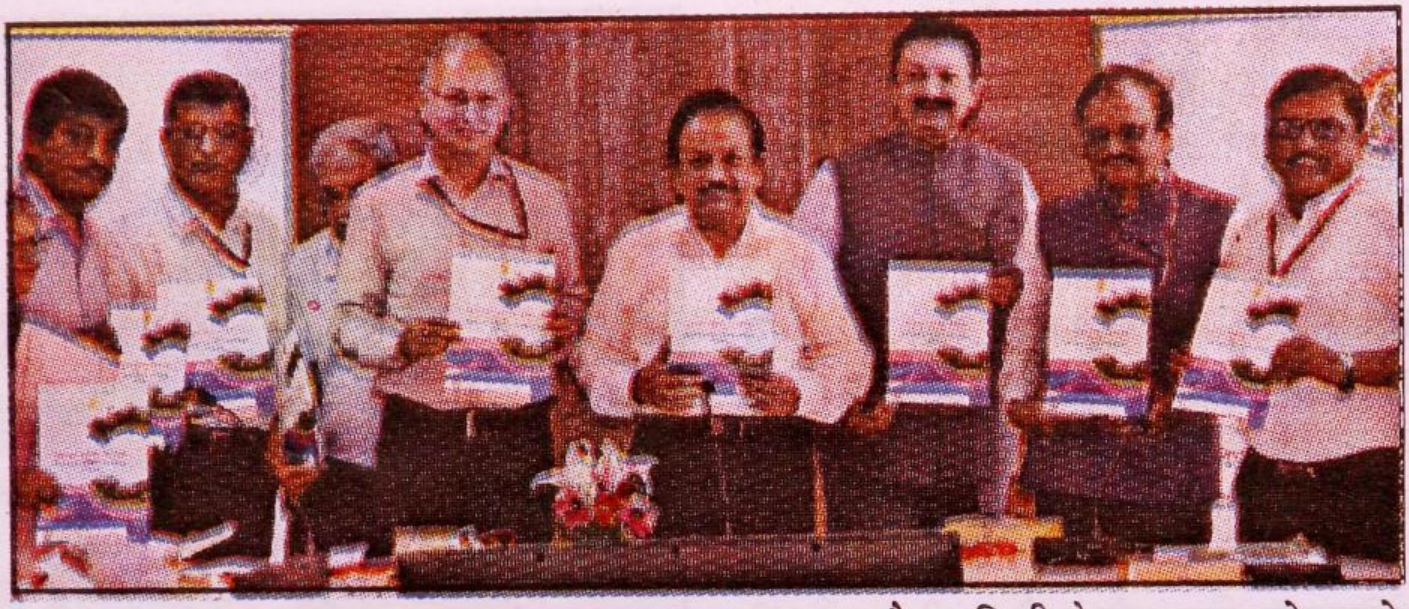

देहरादून, संवाददाता।

राष्ट्रीय रेडुप्लस भारतीय रणनीति जो भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरदून द्वारा भारत सरकार हेतु बनाई गई उसका विमोचन आज डा. हर्ष वर्धन, माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, भारत सरकार द्वारा नयी दिल्ली में किया गया। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि के अनुपालन में भारत ने अपनी रेडुप्लस रणनीति बनायी है। यह रणनीति वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य में भारत की जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यनीति, हरित भारत मिशन तथा संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारत के राष्ट्रीय निर्धारित योगदान के दृष्टिगत बनायी गयी है। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि भारत पेरिस जलवायु संधि के अनुपालन हेतु वचनबद्ध है। वानिकी के द्वारा भारत ने अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान हेतु वनों के द्वारा 250 से 300 करोड़ टन अतिरिक्त कार्बनडाईऑक्साइड संचय का लक्ष्य रखा है। भारत के वन कुल राष्ट्रीय उत्सर्जन का लगभग 12 प्रतिशत कार्बनडाईऑक्साइड अवशेषित करते हैं। भारत के वन जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। रेडु प्लस रणनीति इसे और अधिक बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस अवसर पर सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन सी.के. मिश्रा, महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन सिद्धान्तदास, महानिदेशक भारतीय वानिकी एव शिक्षा परिषद् डॉ. सुरेश गैरोला व मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अमर उजाला, 31 अगस्त 2018

संयुक्त राष्ट्र में भेजी जाएगी रेड्ड प्लस रणनीति

देहरादून। राष्ट्रीय रेड्ड प्लस का विमोचन बृहस्पतिवार को दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून की ओर से तैयार इस रणनीतिक दस्तावेज को संयुक्त राष्ट्र में भी भेजने की तैयारी है। रेड्ड प्लस नाम से बनाई रणनीति के तहत वनों के क्षरण और कार्बन के न्यूनीकरण पर कार्यक्रम को मूर्तरूप दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि के अनुपालन में भारत ने अपनी रेड्ड प्लस नाम की रणनीति तैयार की है। जल्द ही इसे संयुक्त राष्ट्र संघ को भी भेजा जाएगा। इस मौके पर सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन सीके मिश्र, महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव पर्यावरण सिद्धांतदास, महानिदेशक भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद डॉ. सुरेश गैरोला आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण, 31 अगस्त 2018

रेड प्लस नीति से वन क्षरण रोकने का प्रयास

देहरादून: भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून की ओर से राष्ट्रीय रेडप्लस नीति का विमोचन केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने किया।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि (यूएनएफसीसीसी) के अनुपालन में भारत ने अपनी रेडप्लस रणनीति बनाई है। इसमें वन क्षरण एवं निर्वनीकरण को कम करने व वन संरक्षण का प्रयास किया जाता है। यह कार्यक्रम भारत-पेरिस जलवायु संधि के अनुपालन का हिस्सा है। वानिकी से भारत में 250 से 300 करोड़ टन अतिरिक्त कार्बन डाई ऑक्साइड संचय का लक्ष्य रखा है। भारत के वन कुल राष्ट्रीय उत्सर्जन का लगभग 12 प्रतिशत कार्बन डाई ऑक्साइड अवशोषित करते हैं।

रेड प्लस नीति के माध्यम से इसमें और अधिक सुधार का प्रयास है। इस नीति के जरिये नए आयामों को भी स्थापित करने में मदद मिलेगी। साथ ही नए वन क्षेत्र विकसित करने पर भी काम किया जा सकेगा। इस अवसर पर भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डॉ. सुरेश गैरोला उपस्थित रहे।(जासं)

राष्ट्रीय सहारा 31 अगस्त 2018

आईसीएफआरई की रेड्डु प्लस रिपोर्ट का विमोचन

भारतीय वानिकी अनुंसधान एवं शिक्षा परिषद की रिपोर्ट का विमोचन करते केंद्रीय मंत्री हर्षवर्द्धन।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री डा. हर्षवर्धन ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में किया विमोचन

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि मुख्यालय को प्रेषित की जाएगी रिपोर्ट

वानिकी से 300 करोड़ टन अतिरिक्त कार्बन डाईआक्साइड संचय करने का लक्ष्य

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

भारतीय वानिकी अनुंसधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय रेड्डु प्लस रिपोर्ट/भारतीय रणनीति का विमोचन बृहस्पतिवार को किया गया। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. हर्षवर्धन ने इसका विमोचन किया।

निर्वनीकरण और वन क्षरण को रोकने से उत्सर्जन कम करना व वनों में कार्बन का संचय, वनों का सतत प्रबंधन और कार्बन मात्रा में वृद्धि के प्रयासों से जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से रेड्डु प्लस नाम से जाना जाता है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि के अनुपालन में भारत ने अपनी रेड्डु प्लस रणनीति तैयार की है। यह रणनीति वर्तमान राष्ट्रीय परिदृय में भारत की जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यनीति, हरित भारत मिशन तथा संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारत के राष्ट्रीय निर्धारित योगदान के दृष्टिगत बनायी गयी है।

इसके क्रियान्वयन से भारत में निर्वनीकरण व वनों के क्षरण को कम करना, वन संरक्षण और वनों के सतत प्रबंधन से वनों में कार्बन की मात्रा में वृद्धि करने के लिए रोड मैप सुझाया गया है। रेड्ड प्लस पर राष्ट्रीय रणनीति शीघ्र ही संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि मुख्यालय को प्रेषित की जायेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डा. हर्षवर्धन ने कहा कि भारत पेरिस जलवायु संधि के अनुपालन के लिए बचनबद्ध है। वानिकी के द्वारा भारत ने अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान हेतु वनों के द्वारा 250 से 300 करोड़ टन अतिरिक्त कार्बन डाईऑक्साइड संचय का लक्ष्य रखा है। भारत के वन जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रेड्ड प्लस रणनीति इसे और अधिक बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण सचिव सीके मिश्रा, वन महानिदेशक सिद्धांतदास, आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. एसएस गैरोला व अन्य अधिकारी, वैज्ञानिक भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

Garhwal Post, 31st August, 2018

ICFRE's National REDD+ Strategy released by Minister Vardhan

GARHWAL P
31-08-2018

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 30 Aug: The National REDD+ Strategy for India prepared by Indian Council of Forestry & Education, Dehradun, for the Government was released in New Delhi, today, by Dr Harsh Vardhan, Union Minister of Environment, Forest and Climate Change. Reducing emissions from deforestation and forest degradation, conservation of forest carbon stocks, sustainable management of forests, and enhancement of forest carbon stocks in developing countries' (collectively known as REDD+) aims to achieve climate change mitigation by incentivising forest conservation. The Paris agreement on climate change also recognises the role of forests in climate change mitigation and calls upon country parties to take action to implement and support REDD+.

Complying with the UNFCCC decisions on REDD+, India has prepared its National REDD+ Strategy. The Strategy builds upon existing national circumstances which have been updated in line with India's National Action Plan on Climate Change, Green India Mission and India's Nationally Determined Contribution (NDC) to UNFCCC. The strategy when implemented in its right earnest will be addressing drivers of deforestation and forest degradation and also developing a road map for enhancement of forest carbon stocks and achieving sustainable management of forests through REDD+ actions. The National REDD+ Strategy will soon be communicated to the UNFCCC.

Speaking on the occasion, Dr Harsh Vardhan said that India was committed to the Paris Agreement on Climate Change. In its nationally determined contribution to Paris Agreement, India has committed to capture 2.5 to 3 billion tons of Carbon dioxide through additional efforts. India's National REDD+ strategy is one of the tools to further supplement India's commitment to Paris Agreement. India's first biennial update report to UNFCCC reveals that forests in India capture about 12% of India's total GHG emission. Thus, the forestry sector in India is making positive contribution to climate change mitigation.

He further stressed that well-being of forests was essential for healthy environment, sustainable livelihoods of local communities, and also for conservation of biodiversity. REDD+ attracts highest attention in developing country like India where local communities, forest dwelling tribal communities have high dependency on forests for their livelihoods. The strategy will support empowerment of youth cadres as Community Foresters to lead the charge at the local level. Green Skill Development programme for imparting forestry related specialised skill will be implemented.

The Minister appreciated the work of Expert Committee members and invited experts for their contribution in preparing this National REDD+ Strategy and also acknowledged the efforts put up by the Director General, Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) for coordinating the preparation of this document.

Present on the occasion were CK Mishra, Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Siddhanta Das, Director General of Forests and Special Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Dr Suresh Gairola, Director General, ICFRE were among the senior officers for the Ministry of Environment, Forest and Climate Change.

The Pioneer, 31st August, 2018

National REDD + strategy released

PNS ■ DEHRADUN

The national Reducing Emissions from Deforestation and Forest Degradation (REDD+) strategy for India prepared by Indian Council of Forestry and Education, Dehradun for the Government was released in New Delhi by Union Minister for Environment, Forest and Climate Change Harsh Vardhan. Reducing emissions from deforestation and forest degradation, conservation of forest carbon stocks, sustainable management of forests, and enhancement of forest carbon stocks in developing countries' (collectively known as REDD+) aims to achieve climate change mitigation by incentivising forest conservation. The Paris agreement on climate change also recognises the role of forests in climate change mitigation and calls upon the party countries to take action to implement and support REDD+.

Speaking on the occasion of release of India's national strategy of REDD+ Vardhan said that India is committed to Paris agreement on climate change. In its nationally determined contribution to the Paris agreement, India has communicated that it will capture 2.5 to 3 billion tonnes of carbon dioxide through additional efforts. India's national REDD+ strategy is one of the tools to further supplement India's commitment to the Paris agreement. India's first biennial update report to UNFCCC reveals that forests in India capture about 12 per cent of India's total GHG emission. Thus, forestry sector in India is making positive contribution for climate change mitigation.

He further stressed that well-being of forests is essential for healthy environment, sustainable livelihood of local communities and also for conservation of biodiversity. REDD+ attracts highest attention in developing country like India where local communities and forest dwelling tribal communities have high dependency on forests for their livelihoods. The strategy will support empowerment of youth cadres as community foresters to lead the charge at the local level. Green skill development programme for imparting forestry related specialised skill will also be implemented.

The union minister also appreciated the work of the expert committee members and invited experts for their contribution in preparing this national REDD+ strategy.

Officials informed that the strategy builds upon existing national circumstances which have been updated in line with India's National Action Plan on Climate Change, Green India Mission and India's Nationally Determined Contribution (NDC) to UNFCCC. The strategy when implemented in its right earnest will be addressing drivers of deforestation, forest degradation and also developing a road map for enhancement of forest carbon stocks and achieving sustainable management of forests through REDD+ actions. The national REDD+ strategy will soon be communicated to the UNFCCC.

Times of India, 31st August, 2018

Nat'l REDD+ plan prepared by Doon body unveiled

Shivani.Azad@timesgroup.com

Dehradun: The national 'REDD+ strategy' meant for reducing emissions from deforestation and forest degradation, conservation of forest carbon stocks, sustainable management of forests, and enhancement of forest carbon stocks in developing countries (collectively known as REDD+) — that aims to achieve climate change mitigation by incentivizing forest conservation — was released in New Delhi on Thursday by Harsh Vardhan, union minister of environment, forest and climate change. The strategy report has been prepared by Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), Dehradun.

Providing details about the significance of the REDD+ strategy, Suresh Gairola, director of ICFRE, told TOI, "Paris agreement on climate change recognises role of forests in climate change mitigation and calls upon participating nations to take action to implement and support REDD+. Complying with the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) decisions on REDD+, India has prepared its national REDD+ strategy and soon it will be communicated to UNFCCC."

He added that India has "expressed in the strategy to capture 2.5 to 3 billion tons of carbon dioxide through additional efforts."

ICFRE has also crafted a special "Green Skill Development" programme for imparting forestry-related specialised skills among the youth. Speaking about the role of local youth in conserving forests, Gairola said, "The strategy will support empowerment of youth cadres as community foresters to lead the charge at the local level."

GREEN PLANS

- The strategy report has been prepared by Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), Dehradun
- Complying with the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) decisions on REDD+, India has prepared its national REDD+ strategy and soon it will be communicated to UNFCCC
- The strategy aims to support empowerment of youth cadres as community foresters to lead the charge at the local level, said Suresh Gairola, director of ICFRE
- ICFRE has also crafted a special "Green Skill Development" programme for imparting forestry-related specialised skills among the youth

The Hawk
31 August, 2018

India's National REDD+ Strategy Released

New Delhi/Dehradun: National REDD+ Strategy for India prepared by Indian Council of Forestry & Education, Dehradun for the Government was released in New Delhi today by Dr. Harsh Vardhan, Union Minister for Environment, Forest and Climate Change.'Reducing emissions from deforestation and forest degradation, conservation of forest carbon stocks, sustainable management of forests, and enhancement of forest carbon stocks in developing countries' (collectively known as REDD+) aims to achieve climate change mitigation by incentivizing forest conservation. Paris agreement on climate change also recognizes role of forests in climate change mitigation and calls upon country Parties to take action to implement and support REDD+.

Complying to the UNFCCC decisions on REDD+, India has prepared its National REDD+ Strategy. The Strategy builds upon existing national circumstances which have been updated in line with India's National Action Plan on Climate Change, Green India Mission and India's Nationally Determined Contribution (NDC) to UNFCCC. The strategy when implemented in its right earnest will be addressing drivers of deforestation and forest degradation and also developing a road map for enhancement of forest carbon stocks and achieving sustainable management of forests through REDD+ actions. The National REDD+ Strategy will soon be communicated to the UNFCCC.

Speaking on the occasion of release of India's National Strategy of REDD+ Dr. Harsh Vardhan said that India is committed to Paris Agreement on Climate Change. In its nationally determined contribution to Paris Agreement,India has communicated to capture 2.5 to 3 billion tons of Carbon dioxide through additional efforts. India's National REDD+ strategy is one of the tools to further supplement India's commitment to Paris

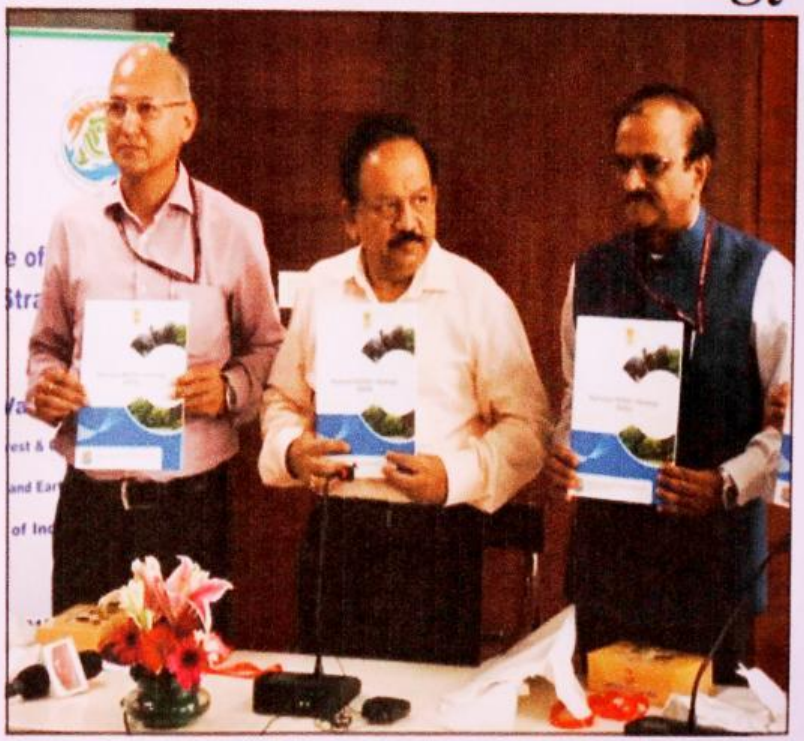

Agreement. India's first biennial update report to UNFCCC has reveals that forests in Indiacaptures about 12% of India's total GHG emission. Thus, forestry sector in India is making positive contribution for climate change mitigation. He further stressed that well-being of forests is essential for healthy environment, sustainable livelihoods of local communities, and also for conservation of biodiversity. REDD+ attracts highest attention in developing country like India where local communities, forest dwelling tribal communities have high dependency on forests for their livelihoods. The strategy will support empowerment of youth cadres as Community Foresters to lead the charge at the local level. Green Skill Development programme for imparting forestry related specialised skill will be implemented.

Hon'ble Minister appreciated the work of Expert Committee members and invited experts for their contribution in preparing this National REDD+ Strategy and also acknowledged the efforts put up by the Director General, Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) for coordinating the preparation of this document.

Present of the occasion wereShri C.K. Mishra, Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Shri Siddhanta Das, Director General of Forests and Special Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Dr. Suresh Gairola Director General, ICFRE were among the senior officers for the Ministry of Environment, Forest and Climate Change.

Himachal Times, 31st August, 2018

India's National REDD+ Strategy released

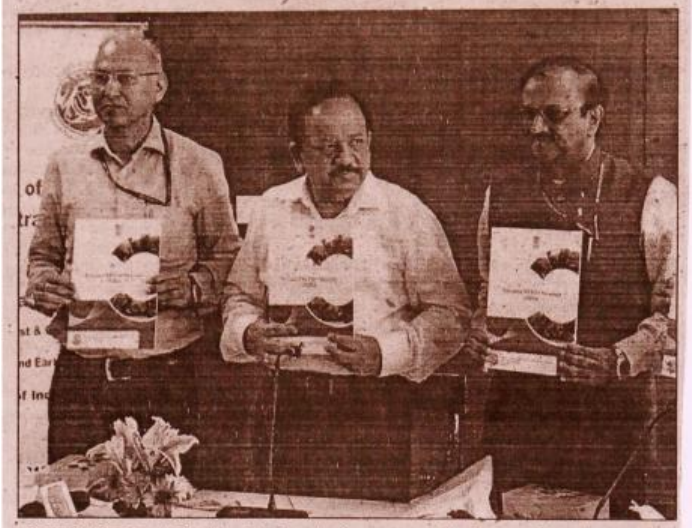

DEHRADUN, AUG 30 (HTNS) National REDD+ Strategy for India prepared by Indian Council of Forestry & Education, Dehradun for the Government was released in New Delhi today by Dr. Harsh Vardhan, Union Minister for Environment, Forest and Climate Change.

'Reducing emissions from deforestation and forest degradation, conservation of forest carbon stocks, sustainable management of forests, and enhancement of forest carbon stocks in developing countries' (collectively known as REDD+) aims to achieve climate change mitigation by incentivizing forest conservation. Paris agreement on climate change also recognizes role of forests in climate change mitigation and calls upon country Parties to take action to implement and support REDD+.

Complying to the UNFCCC decisions on REDD+, India has prepared its National REDD+ Strategy. The Strategy builds upon existing national circumstances which have been updated in line with India's National Action Plan on Climate Change, Green India Mission and India's Nationally Determined Contribution (NDC) to UNFCCC.

Speaking on the occasion of release of India's National Strategy of REDD+ Dr. Harsh Vardhan said that India is committed to Paris Agreement on Climate Change. In its nationally determined contribution to Paris Agreement, India has communicated to capture 2.5 to 3 billion tons of Carbon dioxide through additional efforts. India's National REDD+ strategy is one of the tools to further supplement India's commitment to Paris Agreement. India's first biennial update report to UNFCCC has revealed that forests in India captures about 12% of Indja's total GHG emission. Thus, forestry sector in India is making positive contribution for climate change mitigation. He further stressed that well-being of forests is essential for healthy environment, sustainable livelihoods of local communities, and also for conservation of biodiversity. REDD+ attracts highest attention in developing country like India where local communities, forest dwelling tribal communities have high dependency on forests for their livelihoods. The strategy will support empowerment of youth cadres as Community Foresters to lead the charge at the local level. Green Skill Development programme for imparting forestry related specialised skill will be implemented. Minister appreciated the work of Expert Committee members and invited experts for their contribution in preparing this National REDD+ Strategy and also acknowledged the efforts put up by the Director General, Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) for coordinating the preparation of this document. Present on the occasion were C.K. Mishra, Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Siddhanta Das, Director General of Forests and Special Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Dr. Suresh Gairola Director General, ICFRE were among the senior officers for the Ministry of Environment, Forest and Climate Change.